निर्धारण करने के लिए सर्वेक्षण कराने का कोई प्रस्ताव नही है।

(घ) प्रश्न नही उठता।

Scheme for Detailed Exploration of Mineral Potentialities of Orissa

2145. SHRI KRUPA SINDHU BHOI: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state whether the Government of India are contemplating any specific scheme for a detailed exploration of mineral potentialities of Orissa which is very rich in various types of minerals?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Investigations for minerals in Orissa are carried out continuously by the Geological Survey of India in accordance with its annual programme of exploration in the State; and, detailed exploration for various minerals such as bauxite, chromite, iron ore, manganese ore, copper ore etc. is already in progress.

मध्य प्रदेश को सप्लाई की गई चीनी और खाद्यान्न

2146. **श्री सत्यनारायण जटिया :** क्या **वाणिज्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1979 से जनवरी, 1980 तक की अवधि मे मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण व्यवस्था के अधीन उपभोक्ताओ को सप्लाई करने के लिये चीनी और खाद्यान्न का कितना कोटा दिया गया है ; और

(ख) इसी अवधि मे सप्लाई की गई चीनी और खाद्यान्न के कोटे में से कोटे की कितनी मात्रा अप्रयुक्त पड़ी है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और इस्पात तथा खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) जनवरी, 1979 से जनवरी, 1980 तक के 13 महीनों के दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने 340 हजार मीटरी टन चावल और 670 हजार मीटरी टन गेहूं की मांग की थी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उपभोक्ताओं को देने के लिए इस सारी मात्रा का आवंटन उन्हें कर दिया गया था। इस आवंटन में से राज्य सरकार ने 180.2 हजार मीटरी टन चावल और 399.5 हजार मीटरी टन गेहूं उठाया है। जहां तक लेवी चीनी का संबंध है, 17-12-79 से लगाये गये आंशिक कंट्रोल के बाद से मध्य प्रदेश को जनवरी, 1980 तक 28,503 मीटरी टन चीनी का आबंटन किया गया था। इसमे से 31-1-80 तक 9,344 मीटरी टन चीनी भारतीय खाद्य निगम द्वारा भेजी जा चुकी थी।

"Soviet Indian Cooperation in Ferrous Metallurgy"

2147. SHRI SURAJ BHAN: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn towards a news item appearing in "The Patriot" dated 22nd February, 1980 under the caption "Soviet Indian Cooperation in Ferrous Metallurgy" (Publishing the speech of Shri I. Kazanets, Minister of Ferrous Metallurgy of the USSR);

(b) if so, whether it is also a fact that spare parts required for use at Bhilai Steel Plant and Bokaro Steel Plants are imported and none of them manufactured in India;

(c) if so, the reasons thereof and the details of foreign exchange spent for import of spare parts for use at Bhilai and Bokaro during the last five years; and

(d) the reasons for not setting up a factory for manufacturing such spare parts in the country?